भरतपुर में लंपी रोग का संक्रमण बढ़ा, दो हजार गोवंश प्रभावित

लंपी के सबसे ज्यादा मामले सेवर, नदबई और उच्चौन क्षेत्र में सामने आए

भरतपुर, (निसं)। जिले में एक बार फिर लंपी स्किन डिजीज का संक्रमण सामने आने लगा है। पशुपालन विभाग के अनुसार पिछले कुछ दिनों में बढ़ी आर्द्रता और बारिश के अंतिम दौर के दौरान बदले मौसम के कारण वायरस और संक्रामक बीमारियों के फैलने की परिस्थितियां बनी हैं। जिले में करीब दो हजार गोवंश लंपी संक्रमण से प्रभावित हुए हैं, हालांकि राहत की बात यह है कि इस बार संक्रमित पशु तेजी से रिकवर हो रहे हैं और अब तक 828 पशु स्वस्थ हो चुके हैं।

पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. मनोज कुमार चौधरी ने बताया कि अगस्त के तीसरे सप्ताह, करीब 20-21 अगस्त से जिले में लंपी के मामले सामने आने शुरू हुए। इस बार उत्तर प्रदेश की सीमा से जुड़े क्षेत्रों में संक्रमण के मामले अधिक देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने बताया कि भरतपुर जिले की कई तहसीलों की सीमाएं उत्तर प्रदेश से जुड़ी हुई हैं। रूपवास, कुम्हेर सहित अन्य सीमावर्ती क्षेत्रों में संक्रमण का असर देखा जा रहा है और इसके बाद बीमारी जिले के अन्य क्षेत्रों तक पहुंची है।

विभाग के अनुसार जिले में लंपी के सबसे ज्यादा मामले सेवर, नदबई और उच्चौन क्षेत्र में सामने आए हैं। सेवर क्षेत्र में करीब 600 केस, नदबई तहसील में करीब 650 संक्रमित पशु, उच्चौन तहसील में करीब 300 केस, वहीं भुसावर, रूपवास, वैर और बयाना सहित अन्य क्षेत्रों में लंपी के छिटपुट मामले सामने आए हैं, लेकिन वहां संक्रमण की स्थिति अधिक गंभीर नहीं बताई जा रही है। डॉ. चौधरी ने बताया कि जिले में अब तक करीब 2 हजार गोवंश लंपी संक्रमण से प्रभावित हुए हैं। इनमें से 828 पशु रिकवर हो चुके हैं, जबकि करीब 1200 पशु अभी एक्टिव फेज में हैं और उनका उपचार जारी है। उन्होंने बताया कि इस बार संक्रमण की गंभीरता पहले की तुलना में कम है और मृत्यु दर भी काफी कम देखने को मिल रही है। संक्रमित पशुओं में बीमारी का असर कुछ दिनों तक रहता है और समय पर उपचार मिलने पर पशु रिकवरी फेज में पहुंच जाते हैं।

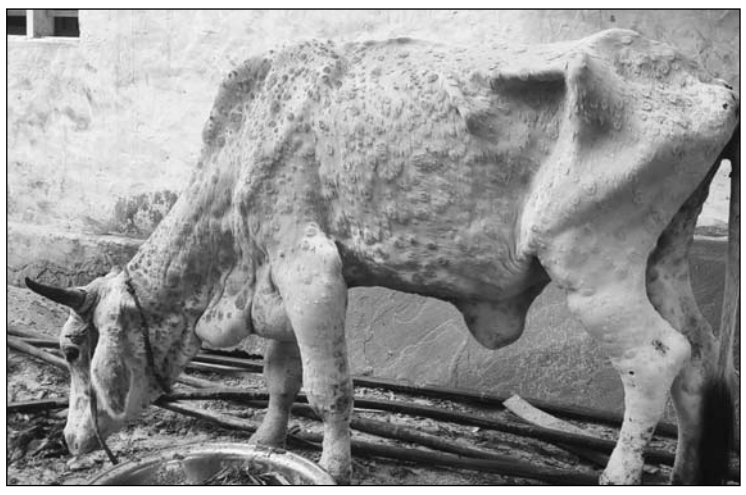

भरतपुर जिले में गोवंश में लम्पी रोग के लक्षण दिखाई दिये।

- **राहत की बात यह है कि इस बार संक्रमित पशु तेजी से रिकवर हो रहे हैं और अब तक 828 पशु स्वस्थ हो चुके हैं**

पशुपालन विभाग के अनुसार भरतपुर जिले में करीब 1 लाख गोवंश की आबादी में से लगभग 80 प्रतिशत पशुओं का वैक्सीनेशन किया जा चुका है। विभाग का मानना है कि इसी कारण इस बार संक्रमण के बावजूद पशुओं में बीमारी ज्यादा गंभीर रूप नहीं ले रही है।

डॉ. चौधरी ने बताया कि संक्रमित पशु में शुरुआत में चारा-पानी कम खाने जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। इसके बाद गर्दन, पीठ और शरीर के अन्य हिस्सों पर नोड्यूल बनने लगते हैं। नोड्यूल में दर्द होने के कारण पशु परेशान हो सकता है, लेकिन समय पर दवा मिलने से तीन से पांच दिन में सुधार देखने को मिल रहा है।

संयुक्त निदेशक ने पशुपालकों से अपील की है कि पशु में बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर उसे तुरंत अन्य पशुओं से अलग कर दें। उन्होंने कहा कि संक्रमित पशु को आइसोलेशन में रखना बेहद जरूरी है, ताकि संक्रमण दूसरे स्वस्थ पशुओं तक नहीं पहुंचे। पशुशाला में काम करने वाले लोगों को पहले स्वस्थ पशुओं को चारा-पानी देना चाहिए और संक्रमित पशु को सबसे आखिर में संभालना चाहिए। रोगी पशु की देखभाल करने के बाद साफ-सफाई और नहाने-धोने पर विशेष ध्यान देने की भी अपील की गई है। विभाग ने प्रत्येक क्षेत्र के लिए रैपिड रिस्पांस टीम का गठन किया है। टीम में एक पशु चिकित्सक, एक एलएसआई और एक पशुधन परिचर शामिल होता है। यह टीम संक्रमित पशुओं के पास पहुंचकर उपचार शुरू करती है।

डॉ. चौधरी ने बताया कि सूचना मिलने के बाद टीम जल्द से जल्द मौके पर पहुंचने का प्रयास करती है और उपचार पर विभाग का विशेष फोकस है।

प्रदेश में होने वाला राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह स्थगित

श्रीगंगानगर, (निसं)। राजस्थान में शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य पर आगामी 5 सितंबर को आयोजित होने वाला राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह-2026 स्थगित कर दिया गया है। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय, राजस्थान (बीकानेर) ने इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी कर कार्यक्रम को आगामी सूचना तक टाल दिया है।

- **माध्यमिक शिक्षा निदेशालय, राजस्थान (बीकानेर) ने आधिकारिक आदेश जारी कर कार्यक्रम को आगामी सूचना तक टाल दिया**
- **आचार संहिता के नियमों और निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की अनुपालना को ध्यान में रखते हुए समारोह को स्थगित किया**
- **समारोह के स्थगित होने से सम्मानित होने वाले शिक्षकों को अब नई तिथि की घोषणा का इंतजार करना होगा**

माध्यमिक शिक्षा निदेशक ललित कुमार की ओर से जारी कार्यालय आदेश के अनुसार राज्य में सितंबर 2026 में प्रस्तावित नगरीय निकाय आम चुनावों के कार्यक्रम की घोषणा हो चुकी है। चुनाव घोषणा के साथ ही प्रदेश में आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो गई है। आचार संहिता के नियमों और निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की अनुपालना को ध्यान में रखते हुए सक्षम स्तर से अनुमोदन के बाद इस गरिमामयी समारोह को स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। सीडीईओ अरविंद्र सिंह के अनुसार जिला स्तर पर सम्मानित होने वाले शिक्षकों की सूची शिक्षा निदेशालय, बीकानेर भेजी जा चुकी है। गौरतलब है कि कि शिक्षा विभाग ने राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह-2026 की नई गाइडलाइन जारी कर दी है। इसके तहत लगातार दूसरी बार ब्लॉक स्तर पर शिक्षक सम्मान समारोह नहीं होगा। केवल जिला व राज्य स्तर पर सम्मान दिया जाएगा। इस बार कुल 189 शिक्षकों का चयन होना है। इन्हें जिला स्तर पर 11 हजार रुपए नकद और प्रमाण पत्र दिया जाएगा। राज्य स्तर पर 21 हजार रुपए नकद और प्रमाण पत्र दिया जाएगा। इच्छुक शिक्षकों से 11 अगस्त तक शाला दर्पण पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन लिए गए थे। हैरानी की बात है कि इस साल शिक्षक सम्मान में सम्मानित होने वाले शिक्षकों की संख्या और दी जाने वाली राशि में भी कटौती की गई है।

यह राज्य स्तरीय समारोह संभागीय संयुक्त निदेशक, स्कूल शिक्षा (जयपुर) के तत्वावधान में राजधानी जयपुर स्थित बिड़ला ऑडिटोरियम में 5 सितंबर को भव्य स्तर पर आयोजित किया जाना प्रस्तावित था। इस समारोह में प्रदेशभर से चयनित उत्कृष्ट शिक्षकों को उनके विशिष्ट शैक्षणिक योगदान के लिए राज्य स्तर पर सम्मानित किया जाना तय हुआ था।

शिक्षा विभाग ने इस आदेश की प्रतिलिपि शिक्षा मंत्री के विशिष्ट सहायक, स्कूल शिक्षा के अतिरिक्त मुख्य सचिव, आयुक्त, सभी संभागीय संयुक्त निदेशकों, जिला शिक्षा अधिकारियों तथा संस्था प्रधानों को आगामी आवश्यक कार्यवाही के लिए प्रेषित कर दी है। समारोह के स्थगित होने से सम्मानित होने वाले शिक्षकों को अब नई तिथि की घोषणा का इंतजार करना होगा। विभाग की ओर से निकाय चुनाव संपन्न होने और आचार संहिता हटने के बाद इस सम्मान समारोह के आयोजन की नई तिथि और रूपरेखा अलग से जारी की जाएगी। शिक्षक सम्मान के लिए आवेदन करने वाले शिक्षकों के पास कम से कम पांच साल का कक्षा शिक्षण अनुभव होना अनिवार्य है। इस अनुभव की गणना 30 जून 2025 के आधार पर की जाएगी। आवेदन करने वाले शिक्षकों का चयन 100 अंकों की सूक्ष्म अंक योजना के आधार पर किया जाएगा। कुल अंक 25 से कम होने पर संबंधित शिक्षक के आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

दीवार में छेद कर दुकान में घुसे तीन चोर, वारदात टली

डूंगरपुर, (निसं)। शहर के सदर थाना क्षेत्र स्थित सतीरामपुर गांव में एक किराना दुकान में चोरी का बड़ा प्रयास विफल हो गया। चोरों ने दुकान की डेढ़ फीट चौडी दीवार में ढाई फीट का छेद कर प्रवेश किया। हालांकि,व्यापारी द्वारा सीसीटीवी फुटेज देखने और दुकान पर पहुंचने के बाद चोर मौके से फरार हो गए, जिससे चोरी की वारदात टल गई।

यह घटना सोमवार रात की है। चोरों ने जितेंद्र कलाल की किराना दुकान को निशाना बनाया। उन्होंने दुकान के पीछे की दीवार में लगभग ढाई फीट का बड़ा छेद किया और उसी रास्ते से दुकान में घुसे। रात 12 बजे चोरों ने दुकान का एक सीसीटीवी कैमरा तोड़ दिया और दुकान का सामान इकट्ठा करना शुरू कर दिया था। दुकान से करीब 200 मीटर दूर अपने घर में सो रहे व्यापारी जितेंद्र कलाल रात 2.45 बजे पानी पीने के लिए उठे। उन्होंने अपने मोबाइल पर दुकान के कैमरे चेक किए। एक कैमरा बंद देखकर उन्हें शक हुआ।

छह महीने से फरार शातिर लुटेरे को निम्बाहेड़ा से पकड़ा

भीलवाड़ा, (निसं)। पुलिस थाना पारोली ने करीब छह महीने से फरार चल रहे 15 हजार रुपये के इनामी शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपने तीन अन्य साथियों के साथ मिलकर एक महिला का रास्ता रोककर चाकू से हमला किया था और उसके गले से सोने के जेवरात काटकर लूट लिए थे। पुलिस ने फरार आरोपी को चित्तौड़गढ़ जिले के निम्बाहेड़ा से गिरफ्तार किया है।

- **आरोपी ने तीन अन्य साथियों के साथ मिलकर महिला पर चाकू से हमला किया था और उसके गले से सोने के जेवरात काटकर लूट लिए थे**
- **प्रकरण में पूर्व में ही तीन मुख्य आरोपियों व जेवरात खरीदने वाले स्वर्ण व्यवसायी को भी गिरफ्तार कर सोने के आभूषण बरामद कर लिये थे**

पारोली थानाधिकारी कमलेश कुमार (उपनिरीक्षक) के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई थी। टीम ने मुखबिर एवं तकनीकी सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 15 हजार रुपये के वांछित इनामी आरोपी विशाल उर्फ विकास पिता शोभा लाल मोग्या (19), निवासी भाणुजा डांग, पुलिस थाना निकुम्भ, जिला चित्तौड़गढ़ को निम्बाहेड़ा से दबोच लिया। मामले के अनुसार, 27 फरवरी 2026 की शाम करीब 5:30 से 6 बजे के बीच फलासेड निवासी एक महिला अपने खेत से घर लौट रही थी। तभी दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर आए चार बदमाशों ने उसे घेर लिया और चाकू दिखाकर गले में पहने सोने के जेवरात लूट लिए। महिला द्वारा विरोध करने पर बदमाशों ने चाकू से उसके गले पर वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई और बदमाश जेवर काटकर पारोली की तरफ भाग निकले। घटना पर थाना पारोली में मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। थानाधिकारी कमलेश कुमार ने बताया कि इस प्रकरण में पूर्व में ही तीन मुख्य आरोपियों भैरू लाल उर्फ नाना लाल मोग्या, गोवर्धन मोग्या और भैरू लाल पिता पूरणमल मोग्या को गिरफ्तार किया जा चुका है। इसके अलावा लूटे गए जेवरात खरीदने वाले स्वर्ण व्यवसायी/खरीदार मोहम्मद अमजद उल्ला को भी गिरफ्तार कर सोने के आभूषण पूर्व में ही बरामद कर लिये गये थे। अब 6 माह से फरार चल रहे 15 हजार के इनामी आरोपी विशाल उर्फ विकास मोग्या से पुलिस द्वारा गहनता से पूछताछ की जा रही है।

18 साल से फरार महिला आरोपी गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की सुभाषनगर थाना पुलिस ने 18 वर्षों से फरार चल रही पांच हजार की इनामी महिला आरोपी को गिरफ्तार किया है।

मामला वर्ष 2008 का है, जब सुभाषनगर थाने में आरोपी महिला चंदा पत्नी बरदीचंद शर्मा, निवासी संजय कॉलोनी, भीलवाड़ा के खिलाफ मामला दर्ज हुआ था। मामला दर्ज होने के बाद से ही महिला न्यायालय द्वारा जारी स्थाई वारंट से बचने के लिए नाम व पता बदलकर आरजिया, थाना मांडल, क्षेत्र में फरारी काट रही थी। आरोपी महिला की लंबे समय से तलाश की जा रही थी। उसकी शीघ्र धरपकड़ के लिए पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा पांच हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। कार्रवाई के दौरान जिला स्पेशल टीम के हेड कांस्टेबल ओमप्रकाश जाट को महिला की सटीक लोकेशन की आसूचना मिली। सूचना के आधार पर टीम ने मांडल रोड पर जोधड़ास के पास घेराबंदी कर आरोपी महिला चंदा को गिरफ्तार कर लिया।

युवक पर हमला करने के चार आरोपी गिरफ्त में

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के कुड़ी भगतासनी थाना क्षेत्र में एक युवक पर महिंद्रा कैंपर कार चढ़ाकर जान से मारने का प्रयास करने और फिर लाठी-डंडों व लोहे के सरियों से ताबड़तोड़ हमला करने के मामले में पुलिस ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पीड़ित युवक के पिता हुकम सिंह ने रिपोर्ट दर्ज करा कर बताया था कि 25 अगस्त की रात करीब आठ बजे उनका बेटा बाइक पर सवार होकर सेक्टर 2 केबीएचबी स्थित पोकर स्वीट के पास की गली से निकल रहा था। तभी जान से मारने की नीयत से पीछे से आ रही एक बिना नंबरी महिन्द्रा कैंपर गाड़ी के चालकों ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही चिराग सड़क पर गिर पड़ा। इसके बाद कैंपर से उतरे करीब 15 बदमाशों ने उसे जमीन पर घसीटा और तलवारों, डंडों, पाइपों व लोहे के सरियों से उसके हाथ और पैरों पर लगातार वार किए। इस हमले में चिराग के हाथ और पांव में गंभीर फ्रैक्चर आ गए। बाद में उसने एक मोबाइल दुकान में घुसकर जान बचाई।

पीड़ित ने अस्पताल में भर्ती होने के बाद बताया कि आरोपी उसे जान से मारने की धमकियां दे रहे थे। मामले में पुलिस ने यूनूफ पुत्र मोहम्मद यूसूफ निवासी बरकतुल्ला खां कॉलोनी, प्रतापनगर सदर, दिनेश उर्फ कालू (26) पुत्र ओमप्रकाश बिश्नोई निवासी रावर, हाल महावीर नगर, भगत की कोठी, मनीष उर्फ मन्नु (23) पुत्र भल्लाराम जाट निवासी गांव अरटिया, हाल बुध नगर पाल, बोरानाडा और समीर मिरासी (20) पुत्र ओमप्रकाश निवासी के के कॉलोनी, कुड़ी भगतासनी शामिल हैं।

करंट की चपेट में आने से एक जना घायल

हिंडौन सिटी, (निसं)। क्षेत्र के खेड़ी घाटम में 11 केवी विद्युत लाइन लोगों के लिए खतरा बनी हुई है।

ग्रामीणों का आरोप है कि लाइन नीचे होने के कारण आए दिन लोग करंट की चपेट में आकर घायल हो रहे हैं, लेकिन बिजली विभाग को बार-बार शिकायत देने के बावजूद लाइन को ऊपर करने की दिशा में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। आज फिर एक गंभीर हादसा सामने आया, जब राजेश तिवाड़ी अपने खेत पर बाजरे की फसल को देखने खेतों पर गए हुए थे। इतने में ही 11 केवी के नीचे झूलते तारों की करंट की चपेट में आकर घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए राजकीय जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। इससे पूर्व में भी उन्हीं जगहों पर विगत वर्षों से कई और भी घटना हो चुकी है।

गोदाम में आग लगी

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के पॉश इलाके आरके कॉलोनी स्थित एक रेडीमेड कपड़े के गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल हो गया और देखते ही देखते पूरी कॉलोनी में काला धुआं छा गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गोदाम से अचानक धुएं के तेज गुबार निकलते देखे गए। गोदाम में कपड़ा होने के कारण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस और अग्निशमन विभाग को दी। सूचना मिलते ही सुभाष नगर थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल की 3 गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाने का प्रयास किया। धुएं के कारण दमकलकर्मियों को राहत कार्य में काफी मशक्कत करनी पड़ी। फिलहाल आग लगने के सही कारणों का पता नहीं चल पाया है।

सुजान गंगा नहर में कूदे युवक का शव तीन दिन बाद मिला

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर की सुजान गंगा नहर में तीन दिन पहले छलांग लगाने वाले युवक का शव मंगलवार को मिला। युवक की तलाश में पिछले तीन दिनों से लगातार एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस की टीमें सर्च ऑपरेशन चला रही थीं। शव मिलने के बाद मृतक की पहचान 22 वर्षीय अजय पुत्र सज्जन सिंह, निवासी गांव जाटोली घना, थाना सेवर के रूप में हुई है।

चौबुर्जा चौकी प्रभारी राकेश मान ने बताया कि 30 अगस्त की शाम करीब 7:30 बजे एक युवक गंगा मंदिर की तरफ से आया था। इसी दौरान वह अचानक सुजान गंगा नहर में कूद गया और पानी में डूब गया। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस और रेस्क्यू टीमों को बुलाया गया। घटना के बाद से लगातार युवक की तलाश की जा रही थी। एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस की टीमों ने 30 अगस्त, 31 अगस्त और इसके बाद भी लगातार नहर में सर्च ऑपरेशन चलाया। तीन दिन बाद मंगलवार को युवक का शव नहर से बरामद कर लिया गया।

सीएमएचओ व संविदाकर्मी पर 2.75 लाख की रिश्वत मांगने का आरोप

जयपुर/प्रतापगढ़। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने निजी अस्पताल के संचालन, सोनोग्राफी और एमएए आयुष्मान योजना के एमओयू पर हस्ताक्षर करने के एवज में 2.75 लाख रुपए रिश्वत मांगने के आरोप में प्रतापगढ़ के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) जीवराज मीणा और कार्यालय के संविदाकर्मी महेश पाटीदार के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

- **निजी अस्पताल के संचालन, सोनोग्राफी और एमएए आयुष्मान योजना के एमओयू पर हस्ताक्षर करने के एवज में रिश्वत मांगने का आरोप**

एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह के अनुसार प्रतापगढ़ चौकी पर शिकायत मिली थी। परिवादी ने आरोप लगाया कि एसएस हॉस्पिटल, प्रतापगढ़ एवं धरियावद के अस्पतालों के संचालन, सोनोग्राफी तथा एमएए आयुष्मान योजना के एमओयू पर हस्ताक्षर करने के लिए सीएमएचओ जीवराज मीणा और संविदाकर्मी महेश पाटीदार की ओर से 2.75 लाख रुपए की रिश्वत मांगी जा रही है। इसके अलावा मासिक बंदी के रूप में भी रिश्वत की मांग किए जाने का आरोप लगाया गया। एसीबी ने शिकायत का गोपनीय सत्यापन कराया गया। सत्यापन के दौरान अस्पताल संचालन, सोनोग्राफी, आयुष्मान योजना के एमओयू पर हस्ताक्षर और मासिक बंदी के एवज में रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई।

एसीबी के अनुसार कार्रवाई से पहले आरोपी को पूर्व की घटनाओं को लेकर अनुचित लाभ प्राप्त करने संबंधी खबरें प्रकाशित होने की जानकारी मिल गई, जिससे वह सतर्क हो गया। इसके चलते आगे की कार्रवाई नहीं हो सकी।

चूरू में बिज्जी शताब्दी समारोह का समापन

समारोह में साहित्यकारों ने कथा, भाषा और रंगमंच पर सार्थक चर्चा की

जयपुर/चूरू। प्रख्यात साहित्यकार विजयदान देथा 'बिज्जी' के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में प्रयास संस्थान की ओर से आयोजित बिज्जी शताब्दी समारोह का समापन मंगलवार शाम ओसवाल भवन, चूरू में हुआ। समारोह की अध्यक्षता बिज्जी की कथाओं के चर्चित अनुवादक कैलाश कबीर ने की। मुख्य अतिथि राजस्थानी मासिक पत्रिका 'माणक' के संपादक पदम मेहता तथा विशिष्ट अतिथि 'बोरुंदा डायरी' के लेखक मालचंद तिवाड़ी और प्रख्यात साहित्यकार डॉ. भरत ओला रहे।

प्रयास संस्थान की ओर से आयोजित समारोह में कई साहित्यकारों का सम्मान किया गया।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए कैलाश कबीर ने कहा कि बिज्जी की कथाओं में कथा-तत्व लोक का है लेकिन उन्होंने उसे आधुनिक संदर्भों में इस तरह रचा कि वह आधुनिक कहानी में रूपांतरित हो गया। उनकी कहानियां आम आदमी और स्त्री के पक्ष को बेहद मजबूती से सामने रखती हैं। कबीर ने कहा कि बिज्जी की रचनाओं में लोक की जमीन पर खड़े होकर आधुनिक जीवन की जटिलताओं को समझने और अभिव्यक्त करने की अद्भुत क्षमता दिखाई देती है।

मुख्य अतिथि पदम मेहता ने कहा कि बिज्जी ने राजस्थानी भाषा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का ऐतिहासिक कार्य किया। उनकी कथाओं के माध्यम से राजस्थानी भाषा, लोकजीवन और संस्कृति विश्व समुदाय तक पहुंची। बिज्जी की रचनाएं राजस्थान के लोक की विशिष्ट संवेदना को वैश्विक साहित्यिक परिदृश्य में ले जाने वाली महत्वपूर्ण कड़ी हैं। 'बोरुंदा डायरी' के लेखक मालचंद तिवाड़ी ने बिज्जी के साथ बिताए अपने समय को याद करते हुए अनेक आत्मीय संस्मरण सुनाए। उन्होंने कहा कि बिज्जी अद्भुत लेखक थे। डॉ. भरत ओला ने कहा कि किसी भी साहित्यकार की रचनात्मक विरासत पर इस तरह के आयोजन बेहद उत्साहजनक होते हैं और प्रयास संस्थान द्वारा किया गया यह प्रयास अतुलनीय है। प्रयास संस्थान के अध्यक्ष डॉ. दुलाराम सहारण ने अतिथियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि चूरू के लोगों के सहयोग और आत्मीयता के कारण ही इस तरह के आयोजन संभव हो पाते हैं। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाली संस्थाओं और व्यक्तियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

समापन समारोह से पूर्व दो महत्वपूर्ण सत्र आयोजित किए गए। प्रथम सत्र 'बिज्जी का लेखन एवं फिल्मांकन-मंचन' विषय पर हुआ, जिसकी अध्यक्षता अंबिकादत्त चतुर्वेदी ने की। इस सत्र में प्रेमचंद गांधी, कमल रंगा, सत्यदीप, हरीश बी. शर्मा, तसनीम खान, डॉ. कालूराम परिहार, एम.आई. जाहिर तथा राजेंद्र सिंह शेखावत ने बिज्जी की कहानियों के फिल्मांकन और मंचन की संभावनाओं तथा उनके रचनात्मक प्रभाव पर विचार व्यक्त किए। संचालन शंकर सिंह राजपुरोहित ने किया। दूसरा सत्र 'बिज्जी की भाषा' विषय पर मीठेश निर्मोही की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। इसमें दिनेश पंचाल, रामेसर गोदारा, डॉ. सुरेश सालवी, विनोद सारस्वत, मनोज कुमार स्वामी, गौरीशंकर निम्मिवाल, किशोर कुमार निर्वाण तथा कमल रंगा ने बिज्जी की भाषा की विशिष्टता, लोकभाषा के प्रयोग और उनकी कथाभाषा की रचनात्मक शक्ति पर विस्तार से चर्चा की। सत्र का संचालन डॉ. मदन गोपाल लड्ढा ने किया।

समारोह के दौरान प्रयास संस्थान की ओर से आयोजन में सहयोग देने वाली संस्थाओं और व्यक्तियों का नागरिक अभिनंदन भी किया गया। इस अवसर पर श्री ओसवाल भवन समिति चूरू, विजयदान देथा महाविद्यालय बोरुंदा, निसार अहमद खान, सहीराम पूनिया, जितेंद्र चौधरी, चंदगी दूत, ओमप्रकाश रणवा, भंवरलाल कस्वा, पवन कस्वा, बनवारी लाल शर्मा साहित्य समिति, नवल केड़िया कोलकाता, केसरी सिंह बारहठ स्मृति संस्थान एवं छात्रावास चूरू, अजय रमेश जांगिड़, परमेश्वर लाल तिवाड़ी तथा योगेश सोनी का सम्मान किया गया।

इस अवसर पर प्रयास संस्थान का सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया। समारोह में धनंजया अमरावत, फारूक आफरीदी और डॉ. रामकुमार घोटड़ ने विभिन्न पुरस्कार प्रदान किए। कन्हैयालाल रतनलाल पारख पुरस्कार उदयवीर शर्मा, श्याम गोइन्का संस्था सम्मान नगर श्री ट्रस्ट चूरू, मोहन आलोक साहित्य सम्मान हनुमान बरोड़, बैजनाथ पवार पुरस्कार भंवरलाल भ्रमर, सावित्री चौधरी खूम सिंह पुरस्कार डॉ. चांदकौर जोशी तथा दुर्गेश युवा पुरस्कार सत्येंद्र चारण को प्रदान किया गया। सम्मान समारोह का संचालन संस्थान के सचिव कमल शर्मा ने किया।

सेना ने जिंदा बम डिफ्यूज किया

बीकानेर, (निसं)। सेना ने जिंदा बम को डिफ्यूज किया तो धमाके के साथ रेत का गुबार उठा। बम करीब डेढ़ महीने पहले जरजनसर क्षेत्र में जसवंतसर के पास खेत में मिला था। कार्रवाई से पहले पुलिस ने पहले ही इलाके को सुरक्षित कर लिया था। जानकारी के अनुसार, जसवंतसर के पास खेत में बम मिलने की सूचना पर महाजन थाना पुलिस मौके पर पहुंची थी।

पिछोला झील में डूबे युवक का शव निकाला

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर शहर की पिछोला झील में डूबे युवक के शव को सिविल डिफेंस की टीम ने मंगलवार को निकाल लिया। टीम ने घंटाघर थाना पुलिस को शव सुपुर्द किया। शव को एमबी हॉस्पिटल की मॉर्च्यूरी में रखवाया है। मृतक की फिलहाल पहचान नहीं हो पाई है। मृतक की शिनाख्तगी के प्रयास पुलिस कर रही है। सोमवार रात को एक व्यक्ति ने मृतक को गणगौर घाट स्थित दाई की पुलिया के पास डूबते हुए देखा था। इसके बाद तुरंत सिविल डिफेंस को सूचना दी थी। झील में किसी के डूबने की सूचना पर सोमवार रात को लोगों को भीड़ जमा हो गई थी।सूचना पर सिविल डिफेंस टीम मौके पर पहुंची थी।

नाबालिग के कथित अपहरण के प्रयास का वीडियो वायरल

पावटा, (निसं)। विराटनगर थाना क्षेत्र में नाबालिग के कथित अपहरण के प्रयास से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। मामला मैड कस्बे के निकट किरो की ढाणी का बताया जा रहा है। वायरल वीडियो में नाबालिग और उसके पिता घटनाक्रम की जानकारी देते हुए नजर आ रहे हैं।

- **विराटनगर क्षेत्र में मचा हड़कंप, मैड के पास किरो की ढाणी का मामला, स्कूल जाते समय ईको सवार लोगों पर जबरन गाड़ी में बैठाने का प्रयास करने का आरोप**

जानकारी के अनुसार पिता ने बताया कि नाबालिग बेटा रोजाना की तरह एक स्कूल में पढ़ने के लिए जा रहा था। इसी दौरान सियावर मंदिर से मेड़ जाने वाले रास्ते पर एक ईको गाड़ी में सवार कुछ लोगों द्वारा बच्चे को उसके पिता ने बुलाया है कहकर कथित रूप से जबरन गाड़ी में बैठाने का प्रयास किए जाने की बात सामने आई है। बताया जा रहा है कि बच्चा किसी तरह वहां से भाग निकला और सुरक्षित अपने घर पहुंचकर परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे। बच्चे के सुरक्षित होने की बात सामने आ रही है। घटना के बाद से क्षेत्र में बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता का माहौल है। वहीं, सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो को लेकर लोग तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठ रही है। बताया जा रहा है कि घटना सोमवार को हुई। हालांकि, सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में किए गए दावों और सामने आई प्रारंभिक जानकारी की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। कथित घटना की वास्तविक स्थिति पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। वायरल वीडियो के बाद स्थानीय लोगों में इस बात को लेकर चर्चा तेज है कि स्कूल आने-जाने वाले बच्चों की सुरक्षा के लिए पुलिस और प्रशासन को संवेदनशील स्थानों पर निगरानी बढ़ानी चाहिए। फिलहाल पूरे मामले को लेकर आधिकारिक पुलिस पुष्टि का इंतजार है।